प्रश्नकोश

1. **मराठों के उत्कर्ष का निम्न में कौन-सा कारण सही है?**

(a) धार्मिक चेतना
(b) भौगोलिक सुरक्षा
(c) राजनैतिक जागृति
(d) उच्च नेतृत्व शक्ति
(e) उपर्युक्त सभी

U.P. P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(e)

मराठों के उत्कर्ष के लिए उपर्युक्त सभी कारण सही हैं। मराठा शक्ति का उत्कर्ष किसी एक व्यक्ति या विशेष व्यक्ति समूह का कार्य न था, और न किसी विशेष समय में उत्पन्न हुई अस्थायी परिस्थितियों का ही परिणाम था। मराठा शक्ति के उदय का आधार महाराष्ट्र के संपूर्ण निवासी थे, जिन्होंने जाति, भाषा, धर्म, साहित्य और निवास-स्थान की एकता के आधार पर राष्ट्रीयता की भावना को जन्म दिया और उस राष्ट्रीयता को संगठित करने के लिए एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना की इच्छा व्यक्त की। महाराष्ट्र की भौगोलिक परिस्थितियां भी मराठा शक्ति के उत्कर्ष में सहायक थीं। शिवाजी और अन्य मराठा नेताओं की उच्च नेतृत्व क्षमता भी इसमें भागीदार थी।

2. **नीचे दिए गए मानचित्र पर विचार कीजिए–**

चित्र में छायांकित क्षेत्र राज दर्शाता है–

(a) सातवाहनों का
(b) वातापी के चालुक्यों का
(c) राष्ट्रकूटों का
(d) मराठों का

I.A.S. (Pre) 1994

उत्तर–(d)

उपर्युक्त मानचित्र का छायांकित भाग मराठों के राज्य एवं प्रभाव क्षेत्र को दर्शाता है।

3. **शिवाजी ने मुगलों को किस युद्ध में हराया था?**
(a) पुरंदर (b) रायगढ़
(c) सलहार (d) शिवनेर
U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर—(c)

शिवाजी ने 1672 ई. में सलहार के युद्ध में मुगलों को हराया था, शिवाजी का जन्म 1627 या 1630 ई. में शिवनेर के दुर्ग में हुआ था। शिवाजी ने 1674 ई. में राज्याभिषेक के बाद 'छत्रपति' की उपाधि धारण की। 1680 ई. में शिवाजी की मृत्यु हो गई।

4. **शिवाजी का जन्म कब हुआ तथा कब उन्होंने छत्रपति की उपाधि धारण की?**
(a) 1626, 1675 (b) 1625, 1671
(c) 1627,1661 (d) 1627, 1674
U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. **वह कौन सेनानायक था, जिसे बीजापुर के सुल्तान ने 1659 ई. में शिवाजी को दबाने के लिए भेजा था?**
(a) इनायत खां (b) अफजल खां
(c) शाइस्ता खां (d) सैयद बांदा
U.P. P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर—(b)

बीजापुर के सुल्तान ने 1659 ई. में अफजल खां नामक अनुभवी एवं विश्वस्त सेनानायक को शिवाजी की महत्वाकांक्षाओं पर अंकुश लगाने के लिए भेजा था, किंतु कूटनीतिज्ञ शिवाजी ने उसका वध कर दिया।

6. **शिवाजी मुगलों की कैद से भागने के समय कौन से नगर में कैद थे?**
(a) ग्वालियर (b) आगरा
(c) दिल्ली (d) कानपुर
M.P. P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर—(b)

शिवाजी मुगलों की कैद से भागने के समय आगरा नगर के जयपुर भवन में कैद (नजरबंद) थे। शिवाजी को औरंगजेब ने आगरा में 1666 ई. में कैद कर दिया था। इस प्रकार सही उत्तर विकल्प (b) होगा।

7. **शिवाजी की राजधानी कहां पर थी?**
(a) रायगढ़ (b) सतारा
(c) पुरंदर (d) तंजौर
U.P. P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर—(a)

1674 ई. में शिवाजी ने अपना राज्याभिषेक कराया तथा 'छत्रपति' की उपाधि धारण की एवं 'रायगढ़' को अपनी राजधानी बनाई। उस युग के महान विद्वान बनारस के पंडित विश्वेश्वर भट्ट उर्फ 'गागाभट्ट' ने उन्हें क्षत्रिय घोषित करते हुए उनका राज्याभिषेक कराया।

8. **शिवाजी की राजधानी कहां थी?**
(a) रायगढ़ (b) सिंधु दुर्ग
(c) पूना (d) कोल्हापुर
56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. **शिवाजी का छत्रपति के रूप में औपचारिक राज्याभिषेक कहां पर हुआ था?**
(a) पुणे (b) कोल्हापुर
(c) रायगढ़ (d) अहमदनगर
U.P.P.C.S (Mains) 2016

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. **शिवाजी के गुरु का नाम क्या था?**
(a) रामदास (b) तुकाराम
(c) वामन पंडित (d) गाग भट्ट
M.P.P.C.S (Pre) 2016

उत्तर—(a)

शिवाजी के गुरु रामदास जी थे। इन्हें 'समर्थ रामदास' भी कहा जाता है। इनकी महत्वपूर्ण रचना 'दासबोध' में आध्यात्मिक जीवन के समन्वयवादी सिद्धांतों का वर्णन मिलता है। शिवाजी एवं मराठा साम्राज्य के उत्थान में महाराष्ट्र के संतों का उल्लेखनीय योगदान रहा है।

11. **छत्रपति शिवाजी से संबंधित निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।**
I. चाकन के किले पर विजय
II. अफजल खां का प्रकरण
III. मुगलों से मतभेद का प्रारंभ
IV. सूरत पर आक्रमण तथा लूटना
कूट :
(a) I, III, II, IV (b) I, II, III, IV

Scanned with OKEN Scanner

(c) II, IV, III, I (d) II, III, I, IV

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर–(a)

छत्रपति शिवाजी से संबंधित घटनाओं का व्यवस्थित कालक्रम है - चाकन किले पर विजय (1648 ई.), मुगलों से मतभेद का प्रारंभ (1657 ई.), अफजल खां का प्रकरण (1659 ई.), सूरत पर आक्रमण तथा लूटना (1664 ई.)।

12. अष्ट प्रधान नाम की मंत्रिपरिषद थी–

(a) गुप्त प्रशासन में (b) चोल प्रशासन में

(c) विजयनगर प्रशासन में (d) मराठा प्रशासन में

I.A.S. (Pre) 1996

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर–(d)

शिवाजी ने राज्य के प्रशासन के लिए केंद्रीय स्तर पर 'अष्ट प्रधान' की व्यवस्था की थी, जिसके अंतर्गत आठ मंत्रियों को नियुक्त किया गया था। इसमें पेशवा, अमात्य, मंत्री, सचिव, सुमंत, सेनापति, पंडितराव एवं न्यायाधीश शामिल थे। ये शिवाजी के राज्य प्रशासन में आधुनिक काल के सचिवों की भांति कार्य करते थे। इनका कार्य राजा को परामर्श देना मात्र था। इसे किसी भी अर्थ में मंत्रिमंडल नहीं कहा जा सकता। प्रत्येक मंत्री राजा के प्रति उत्तरदायी थे। इनका विवरण निम्नलिखित है–

(i) पेशवा – राजा का प्रधान मंत्री।

(ii) अमात्य अथवा मजमुआदार – वित्त एवं राजस्व मंत्री।

(iii) वाकिया नवीस या मंत्री – राजा के दैनिक कार्यों तथा दरबार की प्रतिदिन की कार्यवाहियों का विवरण रखता था।

(iv) सचिव अथवा शुरुनवीस – राजकीय पत्र व्यवहार का कार्य देखना।

(v) सुमंत या दबीर – विदेश मंत्री।

(vi) सेनापति या सर-ए-नौबत – सेना की भर्ती, संगठन, रसद आदि का प्रबंध करना।

(vii) पंडित राव – विद्वानों और धार्मिक कार्यों के लिए अनुदानों का दायित्व निभाना।

(viii) न्यायाधीश – मुख्य न्यायाधीश।

13. अष्टप्रधान का गठन किसने किया था?

(a) चंद्रगुप्त (b) अशोक

(c) हर्षवर्धन (d) शिवाजी

(e) उपर्युक्त मे से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. 'अष्टप्रधान' मंत्रिपरिषद् किसके राज्य प्रबंध में सहायता करती थी?

(a) बाबर (b) अकबर

(c) औरंगजेब (d) शिवाजी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं / उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Re-Exam) 2020

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. शिवाजी के 'अष्टप्रधान' में निम्नलिखित अधिकारी थे–

1. मजूमदार 2. दबीर

3. वाकनीस 4. सुरनीस

सही उत्तर चुनिए–

(a) 1, 2, 3 (b) 2, 3, 4

(c) 1, 2, 4 (d) 1, 3, 4

(e) 1, 2, 3, 4

Chhattisgarh P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर–(e)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. शिवाजी के समय 'सरनोबात' का पद संबद्ध था-

(a) वित्तीय प्रशासन से (b) न्यायिक प्रशासन से

(c) स्थानीय प्रशासन से (d) सैन्य प्रशासन से

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. शिवाजी के अष्टप्रधान का जो सदस्य विदेशी मामलों की देख-रेख करता था, वह था–

(a) पेशवा (b) सचिव

(c) पंडित राव (d) सुमंत

उत्तर–(d) I.A.S. (Pre) 1998

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. शिवाजी के शासनकाल में विदेश मंत्री को कहा जाता था–

(a) सुमंत (b) अमात्य

(c) सर-ए-नौबत (d) सचिव

M.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. 'अष्ट प्रधान' मंत्रिपरिषद किसके राज्य प्रबंध में सहायता करती थी?

(a) हर्षवर्धन (b) समुद्रगुप्त

(c) शिवाजी (d) यशोवर्मन

U.P. P.C.S. (Pre) 1991

U.P. P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. **कथन (A) : राज्य के मामले में शिवाजी एक मंत्रिपरिषद से परामर्श लेते थे।**
कारण (R) : प्रत्येक मंत्री अपने विभाग का स्वतंत्र प्रभार रखता था।
कूट :
(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।
U.P. P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर—(c)

शासन में शिवाजी की सहायता के लिए आठ बड़े अधिकारी या मंत्री थे। वे एक मंत्रिपरिषद की तरह कार्य नहीं करते थे। प्रत्येक मंत्री अपने-अपने विभाग का प्रधान था और यह शिवाजी की इच्छा पर निर्भर करता था कि वह उनसे पृथक-पृथक अथवा सम्मिलित रूप से सलाह लें। उनकी सलाह को मानने के लिए भी शिवाजी बाध्य नहीं थे। ये अष्ट (आठ) प्रधान वस्तुतः शिवाजी के सचिवों की भांति कार्य करते थे। शिवाजी द्वारा दिए गए आदेशों का पालन करना और विस्तृत रूप से शासन की देखभाल करना उनका प्रमुख दायित्व था। अतः (A) सही है और (R) गलत है।

21. **निम्नलिखित में से कौन-सी मुद्रा छत्रपति शिवाजी के राज्य में प्रचलित रजत मुद्रा नहीं थी?**
(a) रुपया (b) लारी
(c) टका (d) रुका
U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर—(d)

रुका तांबे की मुद्रा थी, जबकि रुपया, लारी एवं टका छत्रपति शिवाजी के राज्य में प्रचलित रजत मुद्राएं थीं।

22. **शंभाजी के बाद मराठा शासन को निम्नलिखित में से किसने सरल और कारगर बनाया?**
(a) राजाराम (b) बालाजी विश्वनाथ
(c) गंगाबाई (d) नानाजी देशमुख
I.A.S. (Pre) 2000

उत्तर—(b)

शंभाजी के बाद मराठा शासन को पेशवा बालाजी विश्वनाथ ने सरल एवं कारगर बनाया। मराठा छत्रपति शाहू ने बालाजी को पेशवा के पद पर नियुक्त किया। नवंबर, 1713 केवल बालाजी तथा उसके परिवार के लिए ही नहीं अपितु संपूर्ण मराठा जाति के लिए भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि इस समय से सत्ता छत्रपति के हाथों से निकलकर पेशवा के हाथों में स्थानांतरित हो गई। बालाजी विश्वनाथ की सबसे बड़ी उपलब्धि मुगलों तथा मराठों के मध्य एक स्थायी समझौते की व्यवस्था थी, जिसमें दोनों पक्षों के अधिकारों तथा प्रभाव क्षेत्र की विधिवत व्यवस्था की गई।

23. **निम्नलिखित को उनके शासनकाल के क्रम में व्यवस्थित कीजिए—**
(1) बाजीराव (2) बालाजी बाजीराव
(3) बालाजी विश्वनाथ (4) माधव राव
कूट :
(a) 4, 3, 1, 2 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 3, 1, 2, 4 (d) 2, 1, 3, 4
U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains) 2004

उत्तर—(c)

बालाजी विश्वनाथ का शासनकाल 1713 से 1720 ई. के बीच था। 1720 ई. में शाहू ने बालाजी विश्वनाथ के पुत्र बाजीराव प्रथम को पेशवा नियुक्त किया। बाजीराव प्रथम का कार्यकाल 1720 से 1740 ई. तक था। बालाजी बाजीराव 1740 ई. में बाजीराव के मृत्यु के पश्चात पेशवा बने तथा 1761 ई. तक पेशवा रहे। माधवराव का शासनकाल 1761 से 1772 ई. है।

24. **निम्नलिखित को सही कालानुक्रम में रखें—**
(1) छत्रपति शाहूजी (2) राजाराम
(3) शम्भाजी (4) शिवाजी II
कूट :
(a) 3, 2, 1, 4 (b) 3, 2, 4, 1
(c) 2, 3, 1, 4 (d) 1, 2, 3, 4
U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर—(b)

सही कालानुक्रम इस प्रकार है—
शम्भाजी- (1680-1689 ई.) (छत्रपति शिवाजी के ज्येष्ठ पुत्र)
राजाराम - (1689-1700 ई.) (शिवाजी के द्वितीय पुत्र)
शिवाजी II -(1700-1708 ई.) (राजाराम के पुत्र)
छत्रपति शाहूजी - (1708-1749 ई.) (शम्भाजी के पुत्र)

25. **कथन (A) : 1750 ई. तक मराठा साम्राज्य पेशवा की अध्यक्षता में एक परिसंघ बन गया।**
कारण (R) : शाहू के उत्तराधिकारी पेशवा की इच्छा पर निर्भर थे।
कूट :
(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।
U.P. P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर—(a)

1740 ई. में बाजीराव की मृत्यु होने पर शाहू ने बालाजी बाजीराव को पेशवा पद पर नियुक्त किया। बालाजी बाजीराव के समय तक पेशवा पद पैतृक बन गया था। इससे पूर्व ही शक्ति छत्रपति के हाथों में केंद्रित न रहकर पेशवा के हाथों में आ चुकी थी। 1750 ई. में हुई संगोला की संधि के तहत संवैधानिक क्रांति द्वारा यह प्रक्रिया पूरी हो गई। इसके पश्चात मराठा छत्रपति केवल नाममात्र के राजा रह गए और 'महलों के महापौर' बन गए। मराठा संगठन का वास्तविक नेता पेशवा बन गया। अतः कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की व्याख्या करता है।

Scanned with OKEN Scanner

26. **किसके समय से मराठा राजा नाचीज हो गया और पेशवा वास्तविक शासक?**

(a) बालाजी विश्वनाथ (b) बाजीराव I
(c) बालाजी बाजीराव (d) माधव राव I

U.P. P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. **नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।**

अभिकथन (A) : मुगल साम्राज्य के पतन के बाद मराठा सबसे शक्तिशाली देशज शक्ति के रूप में उभरे।

कारण (R) : मराठा पहले शासक थे, जिनके पास एकीकृत भारतीय राष्ट्र की संकल्पना थी।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर–(c)

मुगल साम्राज्य के पतन के बाद मराठा सबसे शक्तिशाली देशज शक्ति के रूप में उभरे। मराठा शक्ति के उदय का आधार महाराष्ट्र के संपूर्ण निवासी थे, जिन्होंने जाति, भाषा, धर्म, साहित्य और निवास स्थान की एकता के आधार पर राष्ट्रीयता की भावना को जन्म दिया और उस राष्ट्रीयता को संगठित करने के लिए मराठा शासकों ने स्वतंत्र मराठा राज्य की स्थापना की, परंतु मराठों में एकीकृत भारतीय राष्ट्र की संकल्पना का अभाव था। इसी कारण उनकी आलोचना भी की जाती है। अत: कथन (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

28. **औरंगजेब की मृत्यु के समय मराठा नेतृत्व किसके हाथों में था?**

(a) शम्भाजी (b) राजाराम
(c) जीजाबाई (d) ताराबाई

U.P.P.C.S. (Pre) 2012
U.P. R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर–(d)

राजाराम 1689-1700 ई. तक शाहू के प्रतिनिधि के रूप में मराठों का नेतृत्व करता रहा। राजाराम की मृत्यु के बाद उसकी विधवा पत्नी ताराबाई ने अपने चार वर्षीय पुत्र को शिवाजी द्वितीय के नाम से गद्दी पर बैठाया और मुगलों से स्वतंत्रता संघर्ष जारी रखा। औरंगजेब की मृत्यु के समय मराठा नेतृत्व ताराबाई के ही हाथों में था।

29. **निम्नांकित मराठा देवियों में जिसने 1700 ई. से आगे मुगल साम्राज्य के विरुद्ध संघर्ष का नेतृत्व किया, वह कौन थीं?**

(a) अहिल्याबाई (b) मुक्ताबाई
(c) ताराबाई (d) रुक्मिणीबाई

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर–(c)

राजाराम की मृत्यु के बाद उसका अल्पवयस्क पुत्र शिवाजी द्वितीय शासक बना तथा राजाराम की पत्नी ताराबाई उसकी संरक्षिका बनीं। ताराबाई एक तेजस्वी महिला थीं। उसने मुगलों से संघर्ष जारी रखा तथा रायगढ़, सतारा और सिंहगढ़ के किलों को मुगलों से जीत लिया।

30. **सरंजामी प्रथा किससे संबंधित थी?**

(a) मराठा भू-राजस्व प्रथा (b) तालुकदारी प्रथा
(c) कुतुबशाही प्रशासन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर–(a)

मराठा काल में 'सरंजामी प्रथा' भू-राजस्व प्रशासन से संबंधित थी। इस काल में मराठा जागीरदारों को सरंजामी भूमि उनके निर्वहन के लिए प्रदान की जाती थी।

31. **सुरक्षा के लिए मराठों के राजस्व के दावों को किस नाम से जाना जाता है?**

(a) सरदेशमुखी (b) चौथ
(c) अबवाब (d) जमादानी

U.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर–(b)

'चौथ' उन प्रांतों से लिया जाता था, जिन्हें 'मुगलई' कहा जाता था। इस 'कर' के बदले में पड़ोसी राज्यों को मराठों के आक्रमण तथा लूटपाट से बचने का आश्वासन प्राप्त हो जाता था।

32. **एक इतिहासकार ने पानीपत की तीसरी लड़ाई को स्वयं देखा, वह कौन था?**

(a) खफी खान (b) काशीराज पंडित
(c) दत्ताजी पिंगले (d) हरचरणदास

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(b)

पानीपत की तीसरी लड़ाई 14 जनवरी, 1761 को सदाशिव भाऊ के नेतृत्व में मराठा सेना और अहमदशाह अब्दाली के नेतृत्व में अफगान सेना के बीच हुई, जिसमें मराठे बुरी तरह पराजित हुए। काशीराज पंडित इस युद्ध के प्रत्यक्षदर्शी थे, उनके अनुसार,''पानीपत का तीसरा युद्ध मराठों के लिए प्रलयकारी सिद्ध हुआ।''

33. **अहमद शाह अब्दाली के भारत पर आक्रमण और पानीपत की तीसरी लड़ाई लड़ने का तात्कालिक कारण क्या था?**

(a) वह मराठों द्वारा लाहौर से अपने वायसराय तैमूर शाह के निष्कासन का बदला लेना चाहता था।
(b) उसे जालंधर के कुंठाग्रस्त राज्यपाल आदीन बेग खान ने पंजाब पर आक्रमण करने के लिए आमंत्रित किया।

Scanned with OKEN Scanner

(c) वह मुगल प्रशासन को चहार महल (गुजरात, औरंगाबाद, सियालकोट तथा पसरूर) के राजस्व का भुगतान न करने के लिए दंडित करना चाहता था।

(d) वह दिल्ली की सीमाओं तक के पंजाब के सभी उपजाऊ मैदानों को हड़प कर अपने राज्य में विलय करना चाहता था।

I.A.S. (Pre) 2010

उत्तर–(a)

पानीपत की लड़ाई का तात्कालिक कारण यह था कि अहमद शाह अब्दाली अपने वायसराय तैमूर शाह के मराठों द्वारा लाहौर से निष्कासन का बदला लेना था।

34. पानीपत के तीसरे युद्ध में निम्न में से किसने मराठों को हराया था?

(a) अफगानों ने (b) अंग्रेजों ने

(c) मुगलों ने (d) रोहिलों ने

U.P. P.C.S. (Pre) 1993
U.P. P.C.S. (Pre) 1994
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2009
U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(a)

पानीपत का तीसरा युद्ध 14 जनवरी, 1761 को मराठों तथा अहमद शाह अब्दाली (अफगानों) के बीच हुआ। मराठा सेना का नेतृत्व सदाशिव राव भाऊ ने किया। इस युद्ध में मराठे बुरी तरह पराजित हुए। युद्ध के प्रत्यक्षदर्शी काशीराज पंडित के शब्दों में ''पानीपत का तृतीय युद्ध मराठों के लिए प्रलयकारी सिद्ध हुआ।''

35. पानीपत का तीसरा युद्ध कब लड़ा गया?

(a) 14 जनवरी, 1760 (b) 5 जनवरी, 1761

(c) 14 जनवरी, 1761 (d) 5 नवंबर, 1556

M.P.P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

36. पानीपत का तीसरा युद्ध लड़ा गया–

(a) हेमू तथा अकबर के बीच

(b) हुमायूं तथा शेरशाह के बीच

(c) मराठा तथा अहमद शाह अब्दाली के बीच

(d) नादिरशाह तथा मुगलों के बीच

M.P. P.C.S. (Pre) 1998
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2002
U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2004

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. पानीपत का तीसरा युद्ध लड़ा गया था वर्ष–

(a) 1526 ई. में (b) 1761 ई. में

(c) 1556 ई. में (d) 1857 ई. में

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Mains) 2007

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. निम्नलिखित में से कौन रुहेला सरदार अहमद शाह अब्दाली का विश्वासपात्र था?

(a) गुलाम कादिर रुहेला (b) नजीब खान

(c) अली मुहम्मद खां (d) हफीज रहमत खां

U.P. P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(b)

नजीब खान (नजीबुद्दौला) अहमद शाह अब्दाली का विश्वासपात्र था। अपनी वापसी से पहले अब्दाली भारत में आलमगीर द्वितीय को मुगल बादशाह इमादुलमुल्क को साम्राज्य का वज़ीर और रुहेला सरदार नजीबुद्दौला (नजीब खान) को साम्राज्य का मीर बख्शी और अपना मुख्य एजेंट बना कर वापस चला आया।

39. 'मोडी लिपि' का प्रयोग किसके विलेखों में किया जाता था?

(a) वोडेयोरों के (b) जमोरिनों के

(c) होयसलों के (d) मराठों के

I.A.S. (Pre) 1995

उत्तर–(d)

मोडी लिपि का प्रयोग मराठा विलेखों (प्रपत्रों) में किया जाता था।

मुगल साम्राज्य का विघटन

नोट्स

*1707 ई. में औरंगजेब की मृत्यु के बाद उसके 63 वर्षीय पुत्र **मुअज्जम (शाह आलम)** ने **'बहादुर शाह' (प्रथम)** के नाम से सत्ता संभाली। *उसने 1707-1712 ई. की अवधि में शासन किया। *खफी खां द्वारा इसे 'शाहे-बेखबर' की उपाधि दी गई थी।

***जहांदार शाह** (1712-13 ई.) मुगल राजवंश में ऐसा प्रथम बादशाह था, जो शासन कार्य के नितांत अयोग्य सिद्ध हुआ। *उसने तत्कालीन शक्तिशाली **अमीर जुल्फिकार खां** की सहायता से गद्दी प्राप्त की थी। *वह एक युद्ध में अपने भतीजे **फर्रुखसियर** द्वारा पराजित हुआ और 1713 ई. में उसकी हत्या कर दी गई। ***1717 ई.** में फर्रुखसियर ने एक फरमान जारी किया, जिसमें अंग्रेजों को तीन हजार वार्षिक कर देकर बंगाल में बिना अतिरिक्त चुंगी दिए व्यापार करने के अधिकार की पुष्टि की गई।

*शाहजहां द्वारा बनवाए गए प्रसिद्ध **मयूर सिंहासन** पर बैठने वाला अंतिम मुगल शासक **मुहम्मद शाह** (1719-1748 ई.) था। *इसके काल में ही **नादिरशाह** ने **1739 ई.** में भारत पर आक्रमण किया और **करनाल युद्ध** में मुगल सेना को पराजित किया था। *समकालीन लेखक आनंद राम मुखलिस के अनुसार, ''नादिरशाह अपने साथ साठ हजार रुपये, कई हजार अशर्फियां, एक करोड़ रुपये का सोना, पचास करोड़

Scanned with OKEN Scanner